कियान और कपास बॉल

लेखन- कैथ निकोलस | चित्रण - एंडी गाय

BE CURIOUS: READ

शीर्षक - कियान और कपास बॉल

लेखन: कैथ निकोलस

अनुवाद: दिव्या सिंघल एवं शेफाली मार्टिन्स

सर्वाधिकार सुरक्षित ! इस पुस्तक के किसी भाग की प्रतिलिपि, वितरण या संचार, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या अन्य इलेक्ट्रॉनिक या मैकेनिकल तरीकों के माध्यम से, प्रकाशित करने से पहले प्रकाशक की पूर्व लिखित सहमति के बिना प्रतिबंधित है, केवल एक लेख समीक्षा के उपयोग के लिए छोड़ दी जा सकती है।

मूल पाठ का कॉपीराइट: कैथ निकोलस (लेखक)

हिन्दी अनुवाद कॉपीराइट: दिव्या सिंघल एवं शेफाली मार्टिन्स (अनुवादक)

चित्रण कॉपीराइट - एंडी गाय (इलस्ट्रेटर)

प्रकाशित: गोवा प्रबंध संस्थान, गोवा, भारत, 2023

ISBN 978-81-964520-0-1

भारत में मुद्रित

BE CURIOUS: READ

GOA INSTITUTE OF MANAGEMENT · GIM · PANAJI

UNIVERSITY OF LEEDS

किताब के बारे में

कियान और उसकी डंगरी की कहानी कॉटन्स हिडन स्टोरीज (कपास की छुपी हुई कहानियां) नाम के रिसर्च प्रोजेक्ट से प्रेरित है जो आर्ट्स एंड ह्यूमैनिटीज़ रिसर्च काउंसिल के सौजन्य से किया गया था।

इस प्रोजेक्ट ने कपड़े के कपास के खेत से उपभोक्ता तक के सफर तक को देखा और कपास उगाने वाले, धागा बनाने वाले, कपड़ा बुनने वाले और परिधान सिलने वाले कर्मियों की छुपी हुई कहानियाँ एकत्रित की।

आप इस प्रोजेक्ट के बारे में और जान सकते हैं और कर्मियों की कहानियाँ के बारे में और जान सकते हैं।

यहां जाएँ: sustainablethreads.leeds.ac.uk

योगदानकर्ता

कैथ निकोलस - लेखक
एंडी गाय - इलस्ट्रेटर
मार्क समनर - रिसर्चर
बेथन बाइड - रिसर्चर
एलेक्सा रपर्ट्सबर्ग - सम्पादक
सिलीन रोबलिन-रोबसन - सम्पादक
दिव्या सिंघल - अनुवादक
शेफाली मार्टिन्स - अनुवादक

विशेष धन्यवाद:
सैली चैन, नेटली जैक्सन

सहयोग

तस्वीर - दिव्या सिंघल

कियान की डंगरी फटने वाली हैं और बहुत छोटी भी हो गयी हैं।

एक बटन भी
निकल गया है...

.... घुटने पर छेद
हो गया है...

... और अब तो ये बहुत
छोटी लग रही हैं।

क्या इन्हें फेंकने का समय आ गया है?

"मुझे मत फेंको!" एक आवाज़ आती है।

"कितनी अजीब बात है! ये आवाज़ कहाँ से आ रही है?" कियान सोचता है कि क्या ये आवाज़ डंगरी से आ रही है.....

"मैं बहुत दूर से तुम्हारे पास आई हूँ | क्या तुम सोच सकते हो मैं कहाँ से आई हूँ? "

कियान सोचता है |

"एक... दुकान से ?"

"उससे पहले?" आवाज़ पूछती है|
"उससे पहले मैं कहाँ थी?"

"आह... कपड़े की फैक्ट्री में? "

"उससे पहले?"

"आह... क्या तुम एक पेड़ से आयी हो?"
कियान ने सुझाव दिया।

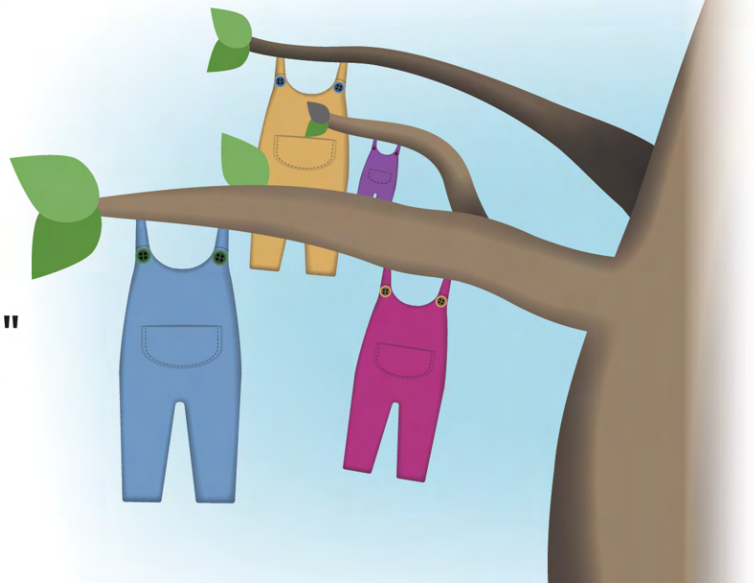

"पूरी तरह से नहीं! अपनी डंगरी के लेबल को देखो।"

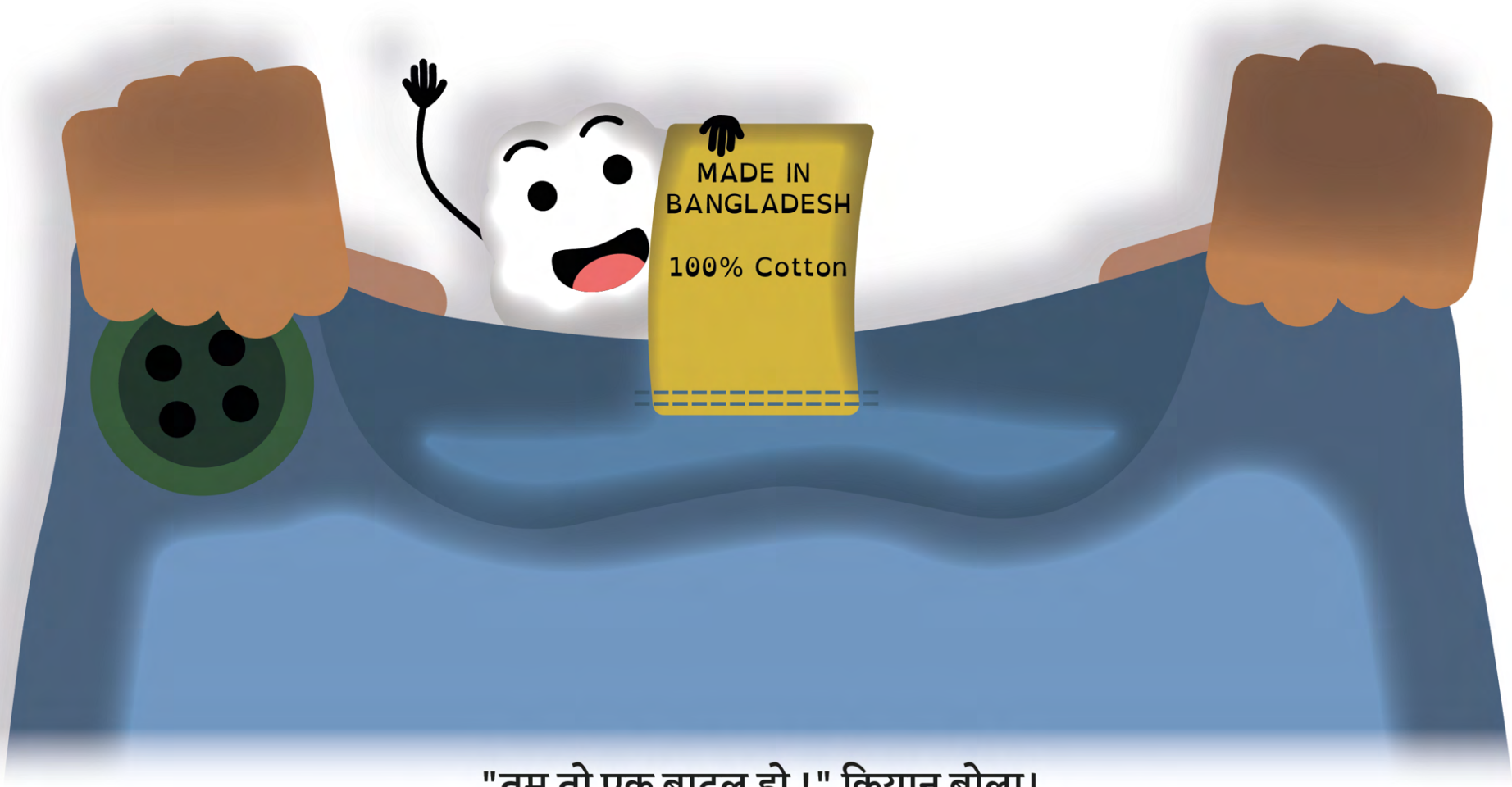

"तुम तो एक बादल हो !" कियान बोला।
"तुम्हारे लेबल से पता लगता है कि तुम बांग्लादेश से आयी हो।"

"हाँ, डंगरी वहीं से आई हैं, पर मैं तो कपास बॉल हूँ|
बांग्लादेश जाने से बहुत पहले मैं एक पेड़ पर उगी थी|"

कपास दुनिया के बहुत से गर्म देशों में पैदा होती है...

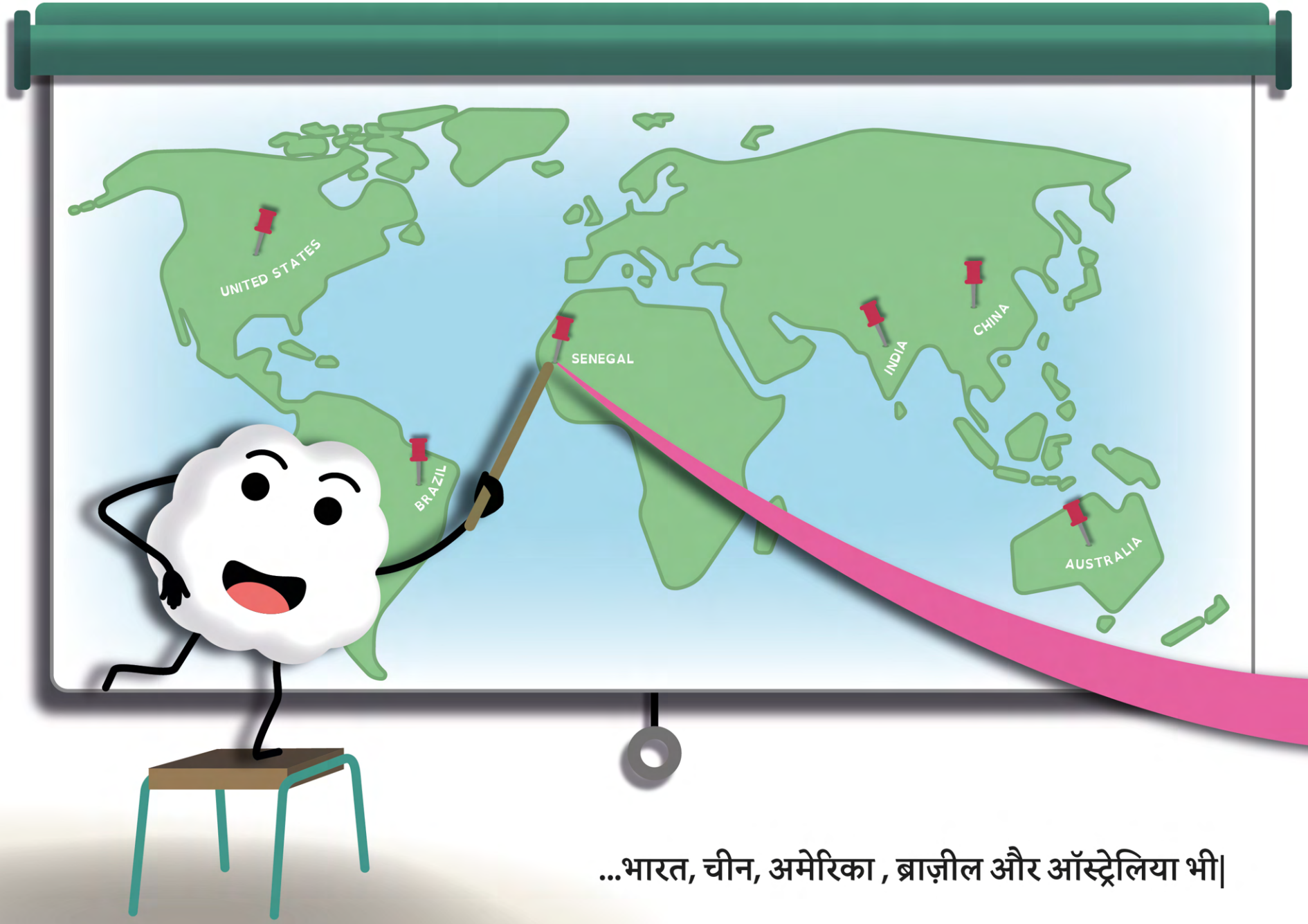

...भारत, चीन, अमेरिका , ब्राज़ील और ऑस्ट्रेलिया भी|

पर मैं सेनेगल, दक्षिण अफ्रीका के एक खेत में उगी हूँ|

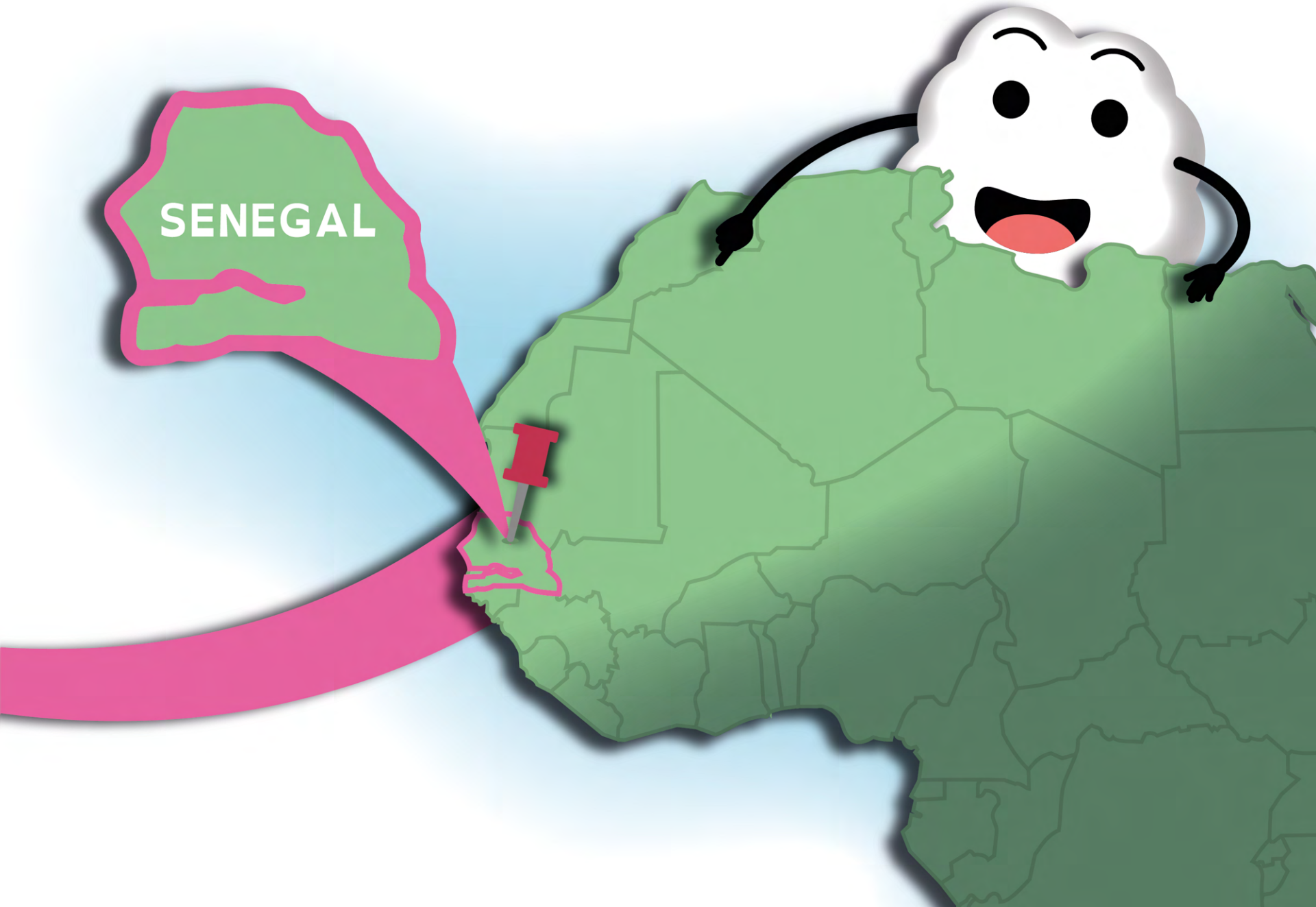

एक किसान ने खेत की सिंचाई करके बीज बोये।

धूप और पानी ने बीजों की पौधे बनने में मदद की।

पौधों पर फूल आये और फूल ने मेरा रूप लिया।

किसान के परिवार ने आकर मुझे और मेरे दोस्तों को उठाया।

कटाई होने के बाद हम पाकिस्तान की एक कताई मिल में गए
जहां कातने वालों ने हमें धागे में परिवर्तित किया।
YARN-O-MATIC 3000

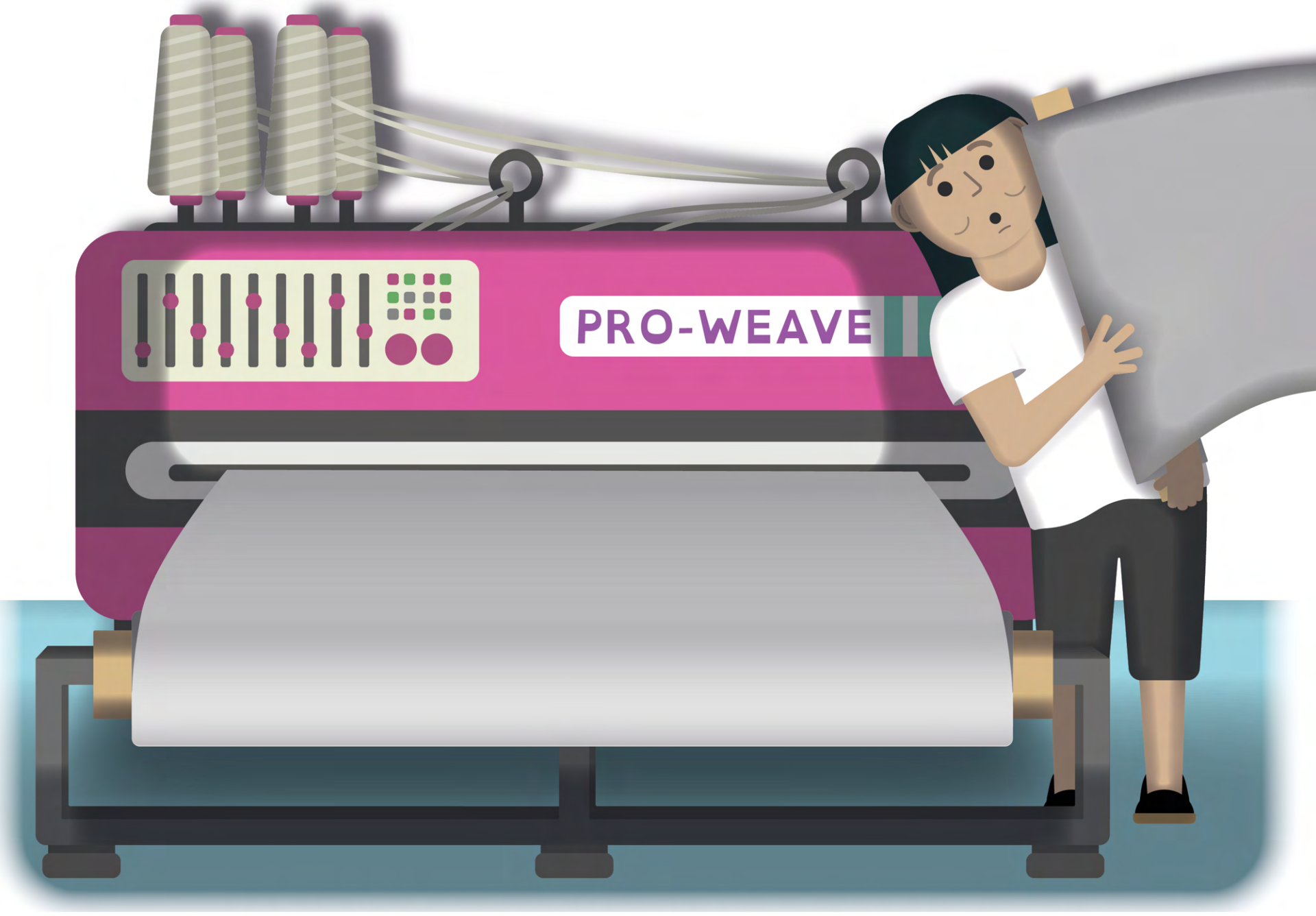

धागे को चीन की एक कपड़ों की मिल में भेजा गया जहां बुनकरों ने करघों
के माध्यम से हमें साथ मिलाकर लम्बे-लम्बे कपड़े बनाये।

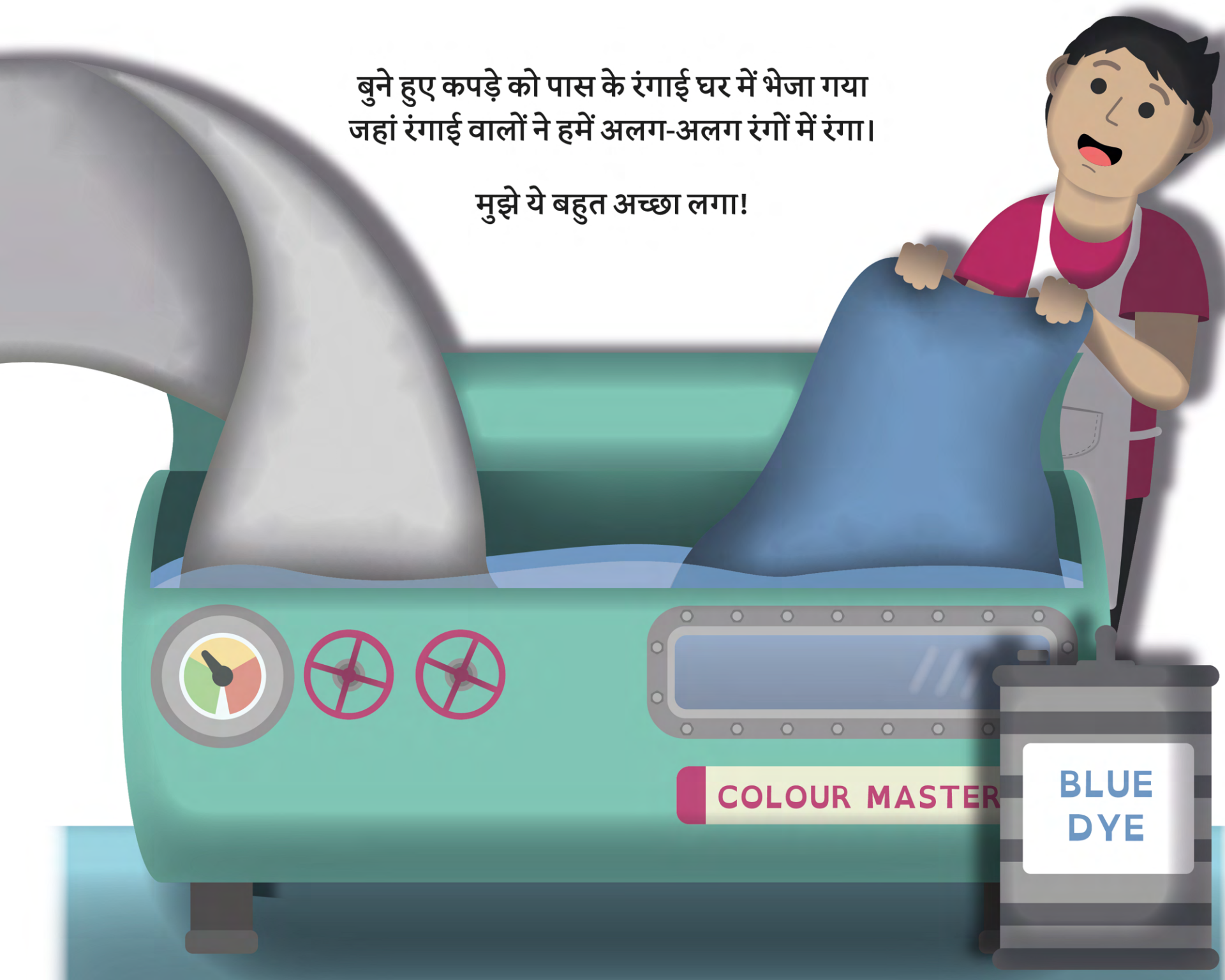
बुने हुए कपड़े को पास के रंगाई घर में भेजा गया
जहां रंगाई वालों ने हमें अलग-अलग रंगों में रंगा।
मुझे ये बहुत अच्छा लगा!
COLOUR MASTER
BLUE
DYE

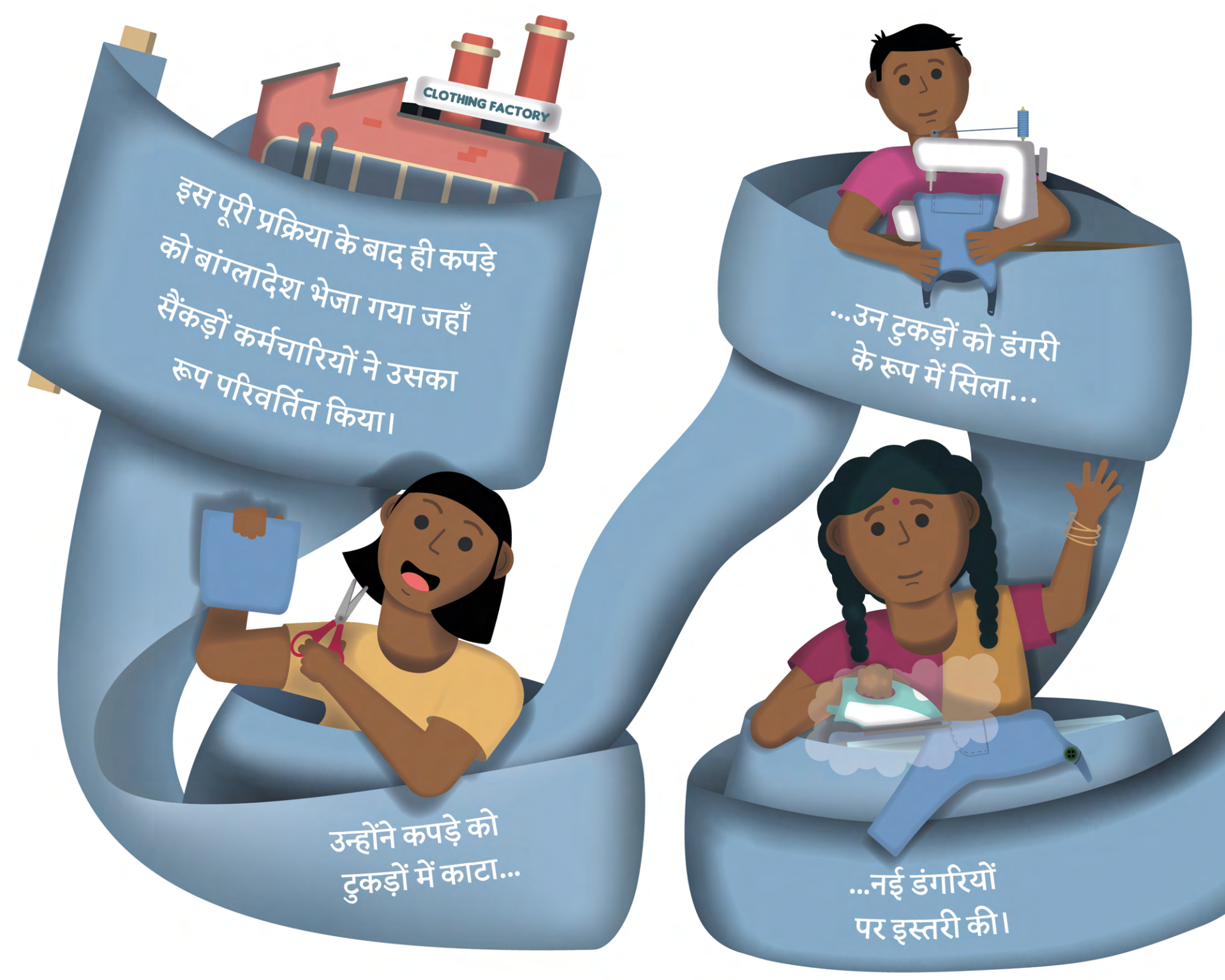
CLOTHING FACTORY
इस पूरी प्रक्रिया के बाद ही कपड़े को बांग्लादेश भेजा गया जहाँ सैंकड़ों कर्मचारियों ने उसका रूप परिवर्तित किया।
उन्होंने कपड़े को टुकड़ों में काटा...
...उन टुकड़ों को डंगरी के रूप में सिला...
...नई डंगरियों पर इस्तरी की।

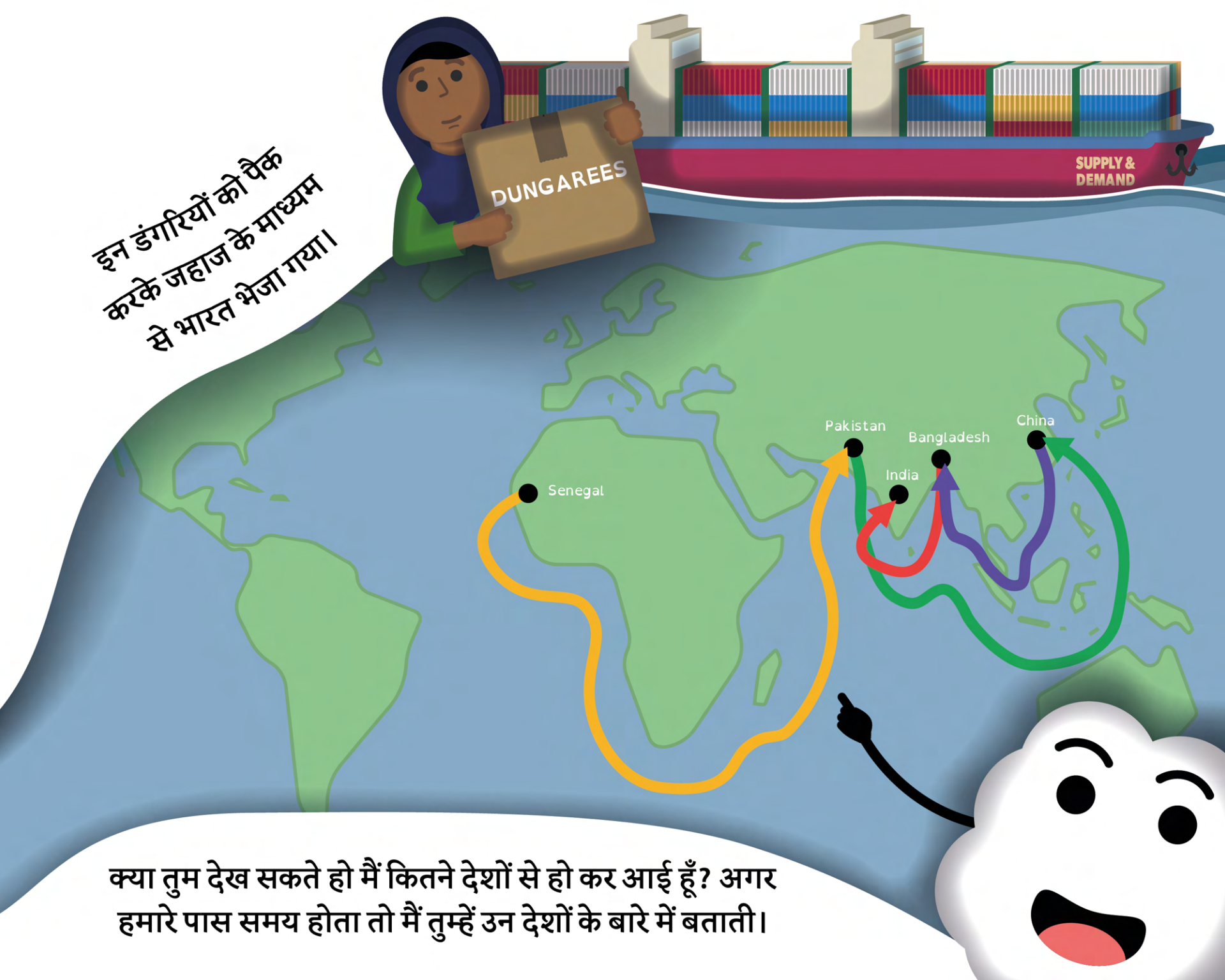
इन डंगरियों को पैक करके जहाज के माध्यम से भारत भेजा गया।
DUNGAREES
SUPPLY & DEMAND
Pakistan
Bangladesh
China
India
Senegal
क्या तुम देख सकते हो मैं कितने देशों से हो कर आई हूँ? अगर हमारे पास समय होता तो मैं तुम्हें उन देशों के बारे में बताती।

"वाह! मेरी डंगरी ने इतने सारे देशों का सफर किया है," कियान कहता है। "इतने सारे लोग इतना ज़रूरी काम करते हैं!"

"इतने सारे हाथ लगते हैं। गुदगुदी हो सकती है!" कपास बॉल कहती है।

"इन सब बातों से मेरी डंगरी बहुत ख़ास हो जाती है," कियान कहता है। "मुझे इनका ध्यान रखना चाहिए।"

"लेकिन ये इतनी घिसी हुई लग रहीं हैं और मुझे
अभी भी नहीं पता कि इनका क्या करूँ..."

"मेरे पास कुछ तरीके हैं,"
कपास बॉल कहती है।

तुम नई डंगरी खरीद सकते हो," कपास बॉल कहती है। "नए कपड़े खरीदने से उन सब लोगों को काम और रुपये मिलते हैं जिनके बारे में तुमने अभी सुना, और ये अच्छी बात है।"

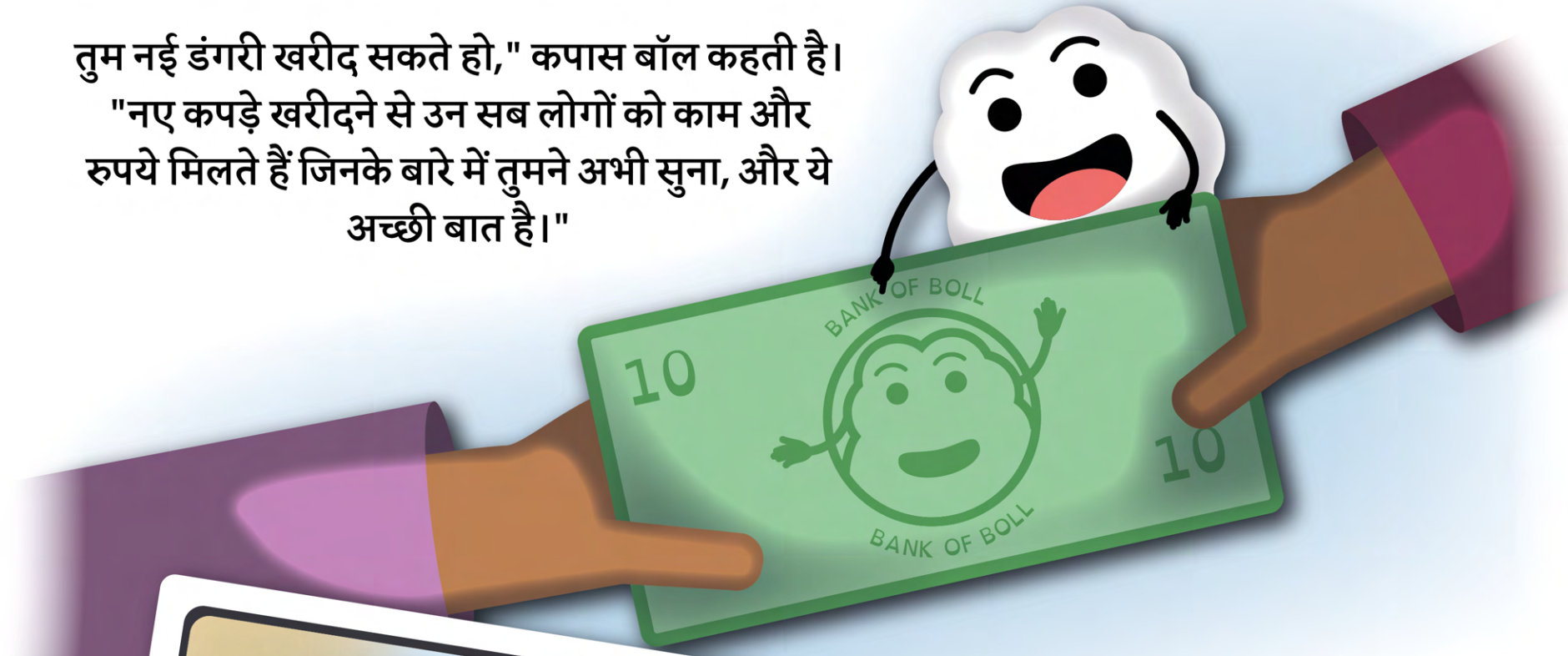

"लेकिन मुझे नई डंगरी नहीं चाहिए!", कियान कहता है। "मुझे ये वाली ही पसंद हैं। इन्हें देख कर मुझे अपनी पसंदीदा छुट्टियों की याद आती है।"

"अगर तुम्हारे कपड़े छोटे हो गए हैं
तो तुम उन्हें दान कर सकते हो ताकि
कोई और उन्हें पहन सके।"

"लेकिन ये बहुत घिस गए हैं और मैं इन्हें
रखना चाहता हूँ," कियान कहता है।

"फिर तुम इनकी मरम्मत कर सकते हो!"
कपास बॉल कहती है।

"लेकिन ये फिर भी बहुत छोटे रहेंगे,"
कियान उदास हो जाता है।

"तो चलो इनका पुनरुत्पादन करते हैं और
उनके डंगरी शॉर्ट्स बना देते हैं।"

"अरे वाह! ये तो ज़्यादा अच्छा है!"
कियान कहता है।

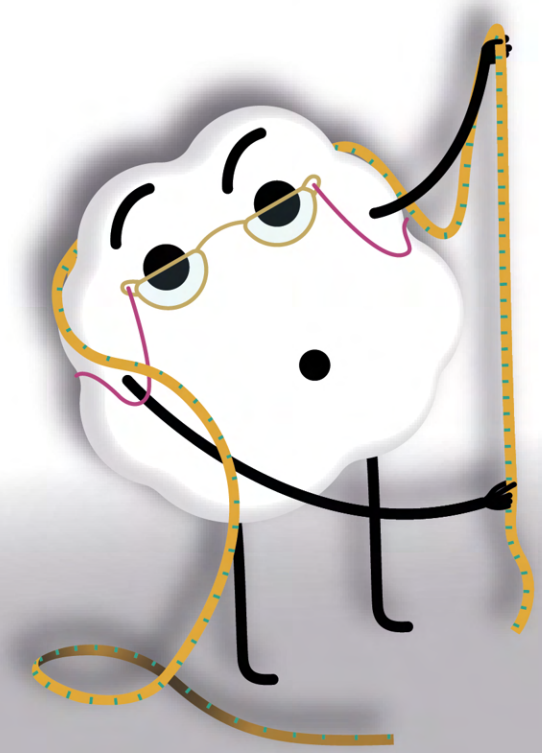

"इनकी कतरनों को तुम कुछ नया बनाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हो," कपास बॉल कहती है।

कियान कतरनों से एक झालर बना देता है।

"लेकिन मैं अपनी डंगरी को लम्बे समय तक कैसे चला सकता हूँ?" कियान पूछता है।

"अपने कपड़ों को ज़मीन पर ढेर में मत छोड़ो," कपास बॉल कहती है।

"ये मैं कभी नहीं करता हूँ," कियान कहता है।

"बहुत ज़्यादा धोने से भी कपड़े फीके पड़ सकते हैं और उनमें छेद हो सकते हैं। कपड़े नहीं धोने से ज़्यादा चलते हैं।"

"मुझे लगा कपड़े तो धोने चाहिए," कियान असमंजस से कहता है।

"कपड़ों को कुर्सी के ऊपर हवा लगने के लिए छोड़ दो। इससे अधिकतर बदबू चली जाती है!" कपास बॉल कहती है।

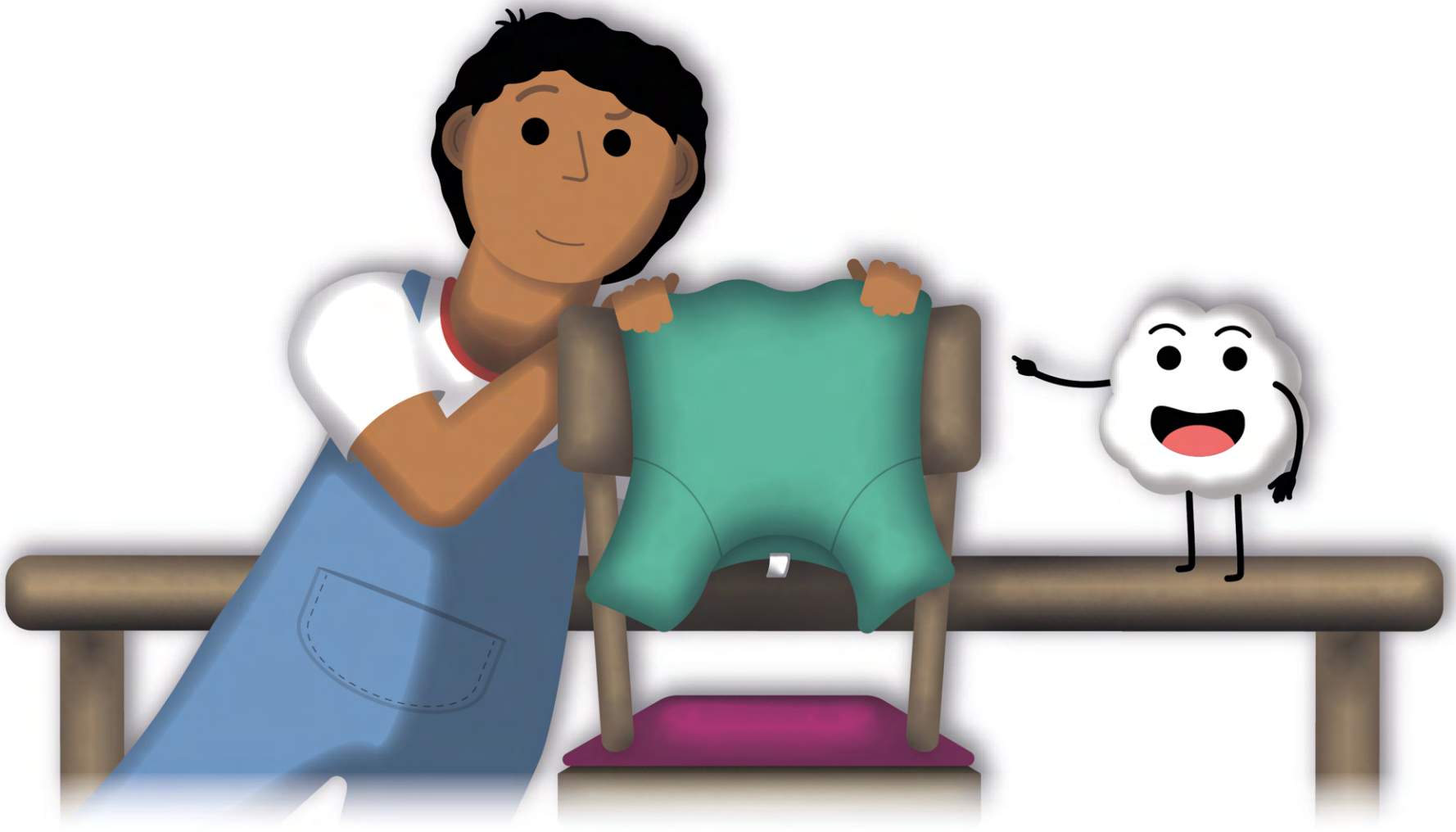

कियान चकित हो जाता है। "लेकिन अगर वो सच में बदबूदार और गंदे हों तो?"

"फिर तो कपड़ों को धोना चाहिए," कपास बॉल कहती है।
"लेकिन तापमान को कम रखना चाहिए बिजली बचाने के लिए।"

"कपड़ों को तार पर सुखाने से बिजली बचती है और ये पर्यावरण के लिए भी अच्छा होता है।"

"तुम्हारी मदद के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद!" कियान कहता है।

"ये मेरे लिये ख़ुशी का विषय है!" कपास बॉल कहती है।

"पर देखो! मेरा पड़ोसी अपने कपड़े फैंक रहा है! जल्दी!"

"मुझे जा कर उसे रोकना चाहिए! कपास बॉल कहती है। मैं चलती हूँ!"

"कपास बॉल बचाने के लिए आ रही है!"

इसके साथ ही कपास बॉल अपना काम करने के लिए मेड़ के ऊपर से उड़ जाती है।

अपने कपड़ों के बारे में सोचें

उनपर दिए गए लेबल को देखें। वो कहाँ से आये?

आपके अनुसार आपके कपड़ों को बनाने के लिए कितने लोगों की ज़रुरत थी?

तुम्हारा पसंदीदा कपड़ा कौनसा है ? तुम इसे इतना पसंद क्यों करते हो?

कपड़े पुराने होने पर आप उनका क्या करेंगे?
नीचे दिए सही उत्तर पर चिह्न लगाएं

दान करेंगे ☐ मरम्मत करेंगे ☐ पुनरुत्पादन करेंगे ☐

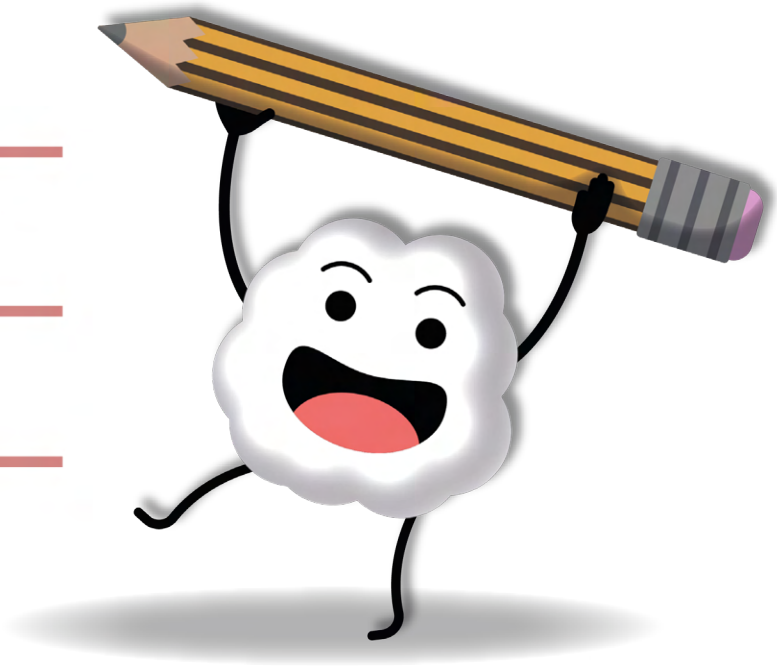

मुख्य बातें

अगर आपके कपड़े घिस गए हैं या अब नहीं आते तो आप उन्हें फेंकने के अलावा बहुत कुछ कर सकते हैं।

अगर आपके कपड़े अच्छी स्थिति में हैं तो उन्हें दान कर सकते हैं ताकि कोई और उनका इस्तेमाल कर सकें।

या आप उनकी मरम्मत कर सकते हैं ताकि आप उन्हें पहन सकें।

या आप पुराने कपड़ों से कुछ नया बना सकते हैं। आप उनसे झालर, सफाई के कपड़े या अपने खिलौनों के लिए कपड़े भी बना सकते हैं!

यदि आपके क़पड़े बहुत ज़्यादा घिस गए हैं या उनमें इतने दाग हैं कि उन्हें पहना नहीं जा सकता तो उन्हें एक बैग में डालिये और उसपर "चिथड़े" का लेबल लगा के किसी परोपकारी संस्था या पुनरुथान सेंटर में छोड़ दें। वे उन्हें किसी नई चीज़ में परिवर्तित कर देंगे!

किताब के बारे में

कियान और उसकी डंगरी की कहानी कॉटन्स हिडन स्टोरीज (कपास की छुपी हुई कहानियां) नाम के रिसर्च प्रोजेक्ट से प्रेरित है जो आर्ट्स एंड ह्यूमैनिटीज़ रिसर्च काउंसिल के सौजन्य से किया गया था।

इस प्रोजेक्ट ने कपड़े के कपास के खेत से उपभोक्ता तक के सफर तक को देखा और कपास उगाने वाले, धागा बनाने वाले, कपड़ा बुनने वाले और परिधान सिलने वाले कर्मियों की छुपी हुई कहानियाँ एकत्रित की।

आप इस प्रोजेक्ट के बारे में और जान सकते हैं और कर्मियों की कहानियाँ के बारे में और जान सकते हैं।

यहां जाएँ: sustainablethreads.leeds.ac.uk

तस्वीर - दिव्या सिंघल

योगदानकर्ता

कैथ निकोलस - लेखक
एंडी गाय - इलस्ट्रेटर
मार्क समनर - रिसर्चर
बेथन बाइड - रिसर्चर
एलेक्सा रपर्ट्सबर्ग - सम्पादक
सिलीन रोबलिन-रोबसन - सम्पादक
दिव्या सिंघल - अनुवादक
शेफाली मार्टिन्स - अनुवादक

विशेष धन्यवाद:
सैली चैन, नेटली जैक्सन

सहयोग

BE CURIOUS: READ

GOA INSTITUTE OF MANAGEMENT GIM PANAJI

School of Design

UKRI Arts and Humanities Research Council

UNIVERSITY OF LEEDS

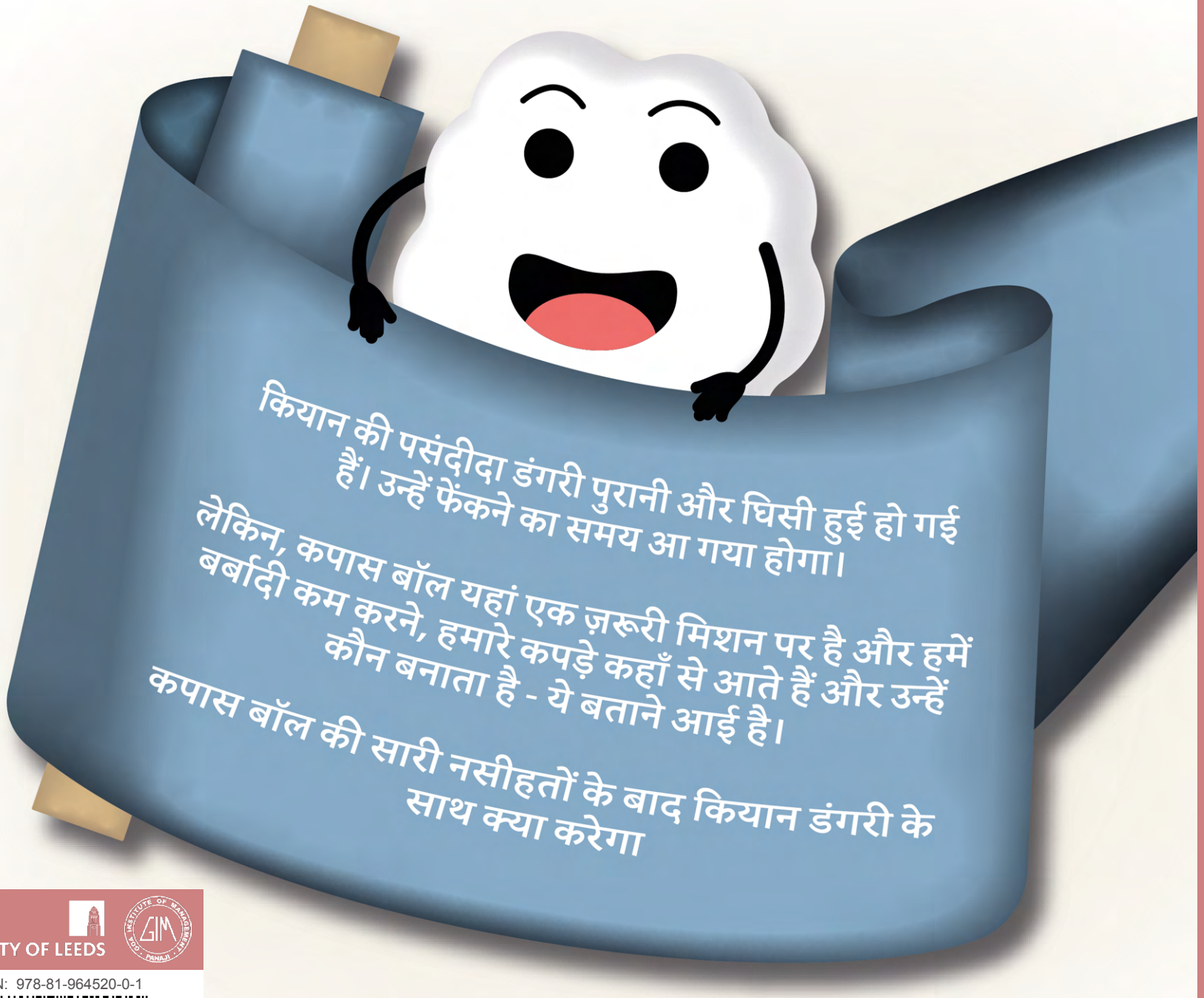

कियान की पसंदीदा डंगरी पुरानी और घिसी हुई हो गई हैं। उन्हें फेंकने का समय आ गया होगा।

लेकिन, कपास बॉल यहां एक ज़रूरी मिशन पर है और हमें बर्बादी कम करने, हमारे कपड़े कहाँ से आते हैं और उन्हें कौन बनाता है - ये बताने आई है।

कपास बॉल की सारी नसीहतों के बाद कियान डंगरी के साथ क्या करेगा

UNIVERSITY OF LEEDS

ISBN: 978-81-964520-0-1